

Налични пари (5,072—3,712·15) 1,359·85

Сръщу тая наличност обаче има да се броятъ: на печатара С. М. Стайковъ за напечатване първия томъ въ 1,500 екземпляра около 1,950 лв. ($40\frac{1}{2}$ коли по 73 лева = 2,956·50 л., отъ които се спадатъ броените до сега 1,000 лв.), и за дребни разноски около 30 лева.

Отъ Комитета.

1 августъ 1911 г.
ст. София.

ДОХОДИ

1905 л.

50	...
100	...
200	...
500	...
1000	...
2000	...
5000	...
8000	...

1903 л.

45	...
50	...
55	...
60	...

1904 л.

50	...
----	-----

1902 л.

35	...
100	...
200	...

1908 л.

50	...
----	-----

1909 л.

500	...
-----	-----

1910 л.

300	...
-----	-----

1911 л.

100	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----

...	...
-----	-----